स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश

नगर की खबर
नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश
2023

स्वच्छता टाइम्स

अंक 10 दिनांक: 24 अप्रैल 2023

केंद्रीय आवासन और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा भव्य अभियान 'मेरी लाईफ, मेरा स्वच्छ शहर'का शुभारंभ

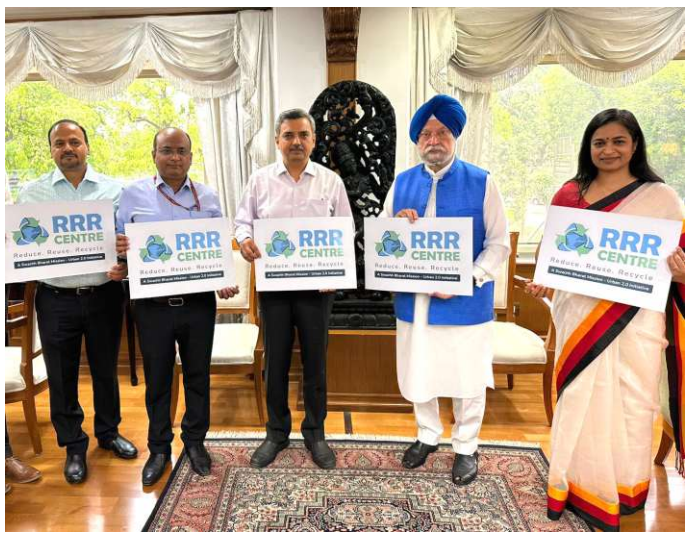

नई दिल्ली। आवासन और शहरी कार्यों के मंत्री श्री हरदीप एस पुरी ने आज यहां मंत्रालय के सचिव, श्री मनोज जोशी तथा आवासन और शहरी कार्यों के मंत्रालय और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के मेगा अभियान 'मेरी लाइफ, मेरा स्वच्छ शहर' का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि घर के सामान्य सामानों का दोबारा उपयोग करना या उससे नया कुछ बना लेना भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा रहा है। हमारी इसी आदत से प्रेरणा लेते हुए, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय (एमओएचयूए) ने अपशिष्ट प्रबंधन- कचरे को कम करने, पुन उपयोग करने तथा उसके नवीनीकरण यानी आरआरआर के लिए अभियान शुरू किया गया है जिस का शीर्षक है- 'मेरी लाईफ, मेरा स्वच्छ शहर'। ट्रिपल आर 'वेस्ट टू वेल्थ' यानी कचरे से धन अभियान की रीढ़ है और इसने कई शिल्पकारों, रिसाइकल करने वालों, स्वयं सहायता समूहों, उद्यमियों, स्टार्टअप्स आदि को कचरे को कई उत्पादों में बदलने के लिए सशक्त बनाया है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) उसी के प्रति व्यक्तिगत और सामूहिक कार्रवाई को प्रोत्साहित करता है। मिशन लाईफ का उद्देश्य पर्यावरण की रक्षा और उसका संरक्षण करना है और प्रो-प्लानेट व्यवहार बनाना है जिसे रोजमर्रा के जीवन में व्यक्तिगत कार्यों के माध्यम से किया जा सकता है।

माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी से माननीय नगर विकास मंत्री श्री ए.के.शर्मा जी और प्रमुख सचिव नगर विकास श्री अमृत अभिजात जी ने निकाय चुनाव सुचारू रूप से संपन्न करने के बाद शिष्टाचार भेंट की। चुनाव के बाद के नगर निकायों के कार्यक्रमों के बारे में माननीय जी का मार्गदर्शन प्राप्त किया।

यूपी के सभी नगरों में मिशन लाइफ के अन्तर्गत बनेंगे 'ना थ्रो-ना थ्रो' ट्रिपल आर सेंटर

लखनऊः प्रदेश के सभी 762 नगरीय निकायों में अब 'ना थ्रो-ना थ्रो' ट्रिपल आर सेंटर स्थापित किए जाएंगे। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय,भारत सरकार के मेरी लाइफ मेरा स्वच्छ शहर अभियान के तहत यह पहल की गई है। व्यावहारिकता के आधार पर हर वार्ड में एक आरआरआर सेंटर स्थापित किया जाएगा।इन केन्द्रों के माध्यम से आप अपने घरों की निष्प्रयोज्य सामग्री जैसे कपड़े, किताबें, खिलौने, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक उपकरण, मशीनरी आदि दे सकेंगे। नगर निगम इनको एकत्रित कर जरूरतमंदों को वितरित करेगा। इसके साथ ही, मिशन लाइफ अभियान के अन्तर्गत भी प्रदेश भर के नगरीय निकायों में विशेष जागरूकता कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा।राज्य मिशन निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) श्रीमती नेहा शर्मा ने गुरुवार को सभी नगरीय निकायों को इस संबंध में निर्देश जारी किए।

श्री ए0 के0 शर्मा
माननीय नगर विकास मंत्री

उत्तर प्रदेश की 'डबल इंजन' की सरकार नगरीय परिवेश में बदलाव के लिए तेजी से कार्य कर रही है। हमारा लक्ष्य उत्तर प्रदेश के नगरों तक जल्द से जल्द वैश्विक स्तर की सुविधाएं पहुंचाना है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी व माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में हम इस लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर हैं। नगरों में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल आपूर्ति के साथ-साथ अन्य नगरीय सुविधाओं की गुणवत्तायुक्त पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। आमजन का जीवन सुगम बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का ही असर है कि उत्तर प्रदेश की जनता बदलाव को महसूस कर रही है। यह हम सभी के लिए गौरव की बात है।विगत एक वर्ष में बहुत अच्छा कार्य हुआ, इसमें और सुधार करना जरूरी है, जो भी कूड़ा स्थल साफ किये गये हैं वहां पर जरूरत के अनुरूप बेन्डिंग जोन बनाया जाए, पार्किंग बनायी जाए, बच्चों के लिए पार्क और बुजुर्गों के बैठने के लिए स्थान बनाया जा सकता है। निकाय अधिकारियों/कर्मचारियों और सफाई कर्मियों की मेहनत और अच्छे कार्यों की बदौलत ही इस बार के नगरीय निकाय चुनाव में प्रदेश सरकार को ऐतिहासिक जीत मिली है। इसके लिए सभी को धन्यवाद।

स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उ.प्र. को स्वच्छ विरासत अभियान के लिए मिला प्रतिष्ठित हडको अवार्ड

लखनऊ: माननीय मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से एवं नगर विकास मंत्री श्री ए0के0 शर्मा जी के कुशल मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश ने स्वच्छता के क्षेत्र में मंगलवार को एक बड़ी कामयाबी दर्ज की। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश को देश के प्रतिष्ठित हडको अवार्ड (2022-2023) से सम्मानित किया गया। यह राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार भारत सरकार के उपक्रम हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा प्रदान किया गया।

सचिव, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय भारत सरकार श्री मनोज जोशी द्वारा राज्य मिशन निदेशक उत्तर प्रदेश श्रीमती नेहा शर्मा को उपक्रम हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हडको) के 53वें स्थापना दिवस पर नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह पुरस्कार दिया गया। स्वच्छता के लिए बेस्ट प्रैक्टिसेस टू इम्प्रूव द लिविंग एन्यवारमेंट (Best Practices to Improve the Living Environment) वर्ष 2022-23 श्रेणी में यह सम्मान दिया गया। पुरस्कार के तहत एक लाख रुपये की धनराशि भी दी गई।

बता दें, स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश की ओर से बीते 14 से 24 जनवरी के बीच इस अभियान का संचालन किया गया था। इसमें, प्रदेश के 75 पर्यटक स्थलों और ऐतिहासिक स्मारकों को शामिल किया गया। इन स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाए गए। नुक्कड़ नाटक, कठपुतली शो, साइट के अंदर प्लॉग रन जैसी गतिविधियों के माध्यम से घाट, तालाब, बाजार समेत अन्य वाणिज्यिक क्षेत्र की साफ-सफाई में आम जनमानस को शामिल किया गया। 10 दिन के इस सफल अभियान का समापन 24 जनवरी को यूपी स्थापना दिवस के दिन गौ पूजा के साथ किया गया। प्रदेश भर में 11 लाख से ज्यादा लोगों ने इस अभियान को सफल बनाने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2023

नगर की खबर

दिनांक: 15 मार्च 2023

श्री राकेश राठौर 'गुरू'
माननीय नगर विकास राज्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अपनी पुरानी पहचान को पीछे छोड़ते हुए खुशहाली की ओर तेजी से बढ़ रहा है। आज प्रदेश का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित किया जा रहा है। जिसे यहां की जनता महसूस भी कर रही है। आमजन तक सभी सरकारी योजनाओं के लाभ की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। नगरों को वैश्विक स्तर का बनाने के लिए डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन कराया जा रहा है साथ कचरे का समुचित निस्तारण भी सुनिश्चित किया जा रहा है। आमजन घरों से निकलने वाले गीले कचरे की होम कंपोस्टिंग की दिशा में भी हम आगे बढ़ रहे हैं।

नगरों में चल रहे विकास कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ समय से पूर्ण करें

लखनऊ: प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए0के0 शर्मा ने निर्देशित किया है कि नगरों में चल रहे विकास कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ समय से पूर्ण करें। इस वित्तीय वर्ष की वार्षिक कार्ययोजना शीघ्र बनाकर इसका अनुमोदन भी प्राप्त करें। कहा कि नगरों की साफ-सफाई हो रही है। फिर भी इसके बेहतर व्यवस्थापन, सुन्दरीकरण, साफ-सफाई और स्वच्छता पर निरन्तर ध्यान देने की आवश्यकता है। जहां भी आवश्यक हो कार्यों में गति के लिए मैनपावर बढ़ाया जाये। मशीनों का भी अधिक से अधिक सदुपयोग करें। व्यवस्था को बनाये रखने के लिए लोगों को भी जागरूक किया जाए। सभी नाले व नालियों की साफ-सफाई अभी से पूर्ण कर ली जाए, जिससे की बरसात में जलभराव की समस्या न हो।नगर विकास मंत्री श्री ए0के0 शर्मा ने 18 मई को जल निगम के फील्ड हास्टल 'संगम' में विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर योजनाओं की प्रगति कार्यों की समीक्षा की तथा नगरों को वैश्विक स्तर का बनाने के कार्यों के साथ नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने पर चर्चा की। कहा कि स्मार्ट सिटीज़ के तहत शहर की किसी एक सड़क को वैश्विक मानक के अनुरूप बनायें। मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के तहत नवसृजित/ नवविस्तारित निकायों में आधारभूत संरचना के विकास के लिए लक्ष्य का निर्धारण करते हुए कार्यों में तेजी लाने को कहा तथा आने वाली योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए कार्ययोजना भी बनायी जाए।

श्री अमृत अभिजात
प्रमुख सचिव नगर विकास

नगरीय सुविधाओं को नया आयाम देने के लिए नगर विकास विभाग संकल्पबद्ध है। घर-घर कचरा उठान की सफलता के बाद हमारा जोर आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूकता को बढ़ाना है। स्थायी स्वच्छता के लिए आमजन का जागरूक होना अति आवश्यक है। इसलिए हम अब इस दिशा की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। आमजन को अपने घरों में गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र करने के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। घरों में कूड़ा पृथक्कीकरण से कचरे के निस्तारण में आसानी हो रही है। कचरे के समुचित निस्तारण में समय भी कम लग रहा है। इसके अलावा नगरीय सुविधाओं की आमजन तक पहुंच को सुलभ बनाने पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है।

मिशन लाइफ अभियान के प्रचार-प्रसार एवं उसमें जन सहभागिता सुनिश्चित कराने के सम्बन्ध में सम्बन्धित विभागों के साथ बैठक संपन्न

लखनऊ। मुख्य सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में राज्य में मिशन लाइफ अभियान के प्रचार-प्रसार एवं उसमें जन सहभागिता सुनिश्चित कराने के सम्बन्ध में सम्बन्धित विभागों के बैठक 17 मई को आयोजित की गई। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) कार्यक्रम की शुरूआत मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा 20 अक्टूबर, 2022 को गुजरात से की गई थी। मिशन लाइफ-जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए व्यक्तियों में व्यवहार परिवर्तन पर आधारित है। यह विनाशकारी और नासमझी से प्राकृतिक संसाधानों के दुरूपयोग को रोककर प्राकृतिक संसाधनों के सावधानीपूर्वक उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने का वैश्विक आंदोलन है।उन्होंने कहा कि प्रदेश में चल रहे इस 'मिशन लाइफ' अभियान का समापन आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के दिन मेगा इवेंट के साथ होगा। मेगा इंवेंट के दिन ग्राम प्रधान व अर्बन लोकल बॉडीज के जनप्रतिनिधियों को पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अपनाने की शपथ दिलायी जायेगी। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के साथ स्थानीय लोगों को भी जोड़ा जाये। 5 जून को शपथ के लिये समय निर्धारित कर इसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये और सभी विभाग के कर्मियो को भी शपथ दिलायी जाये।उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान प्रदेशभर में 75000 माइक्रो इवेंट का आयोजन कराया जाये, जिसमें लोगों को पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार करने के लिये जागरूक किया जाये।

एसबीएम (नगरीय) की ओर से मॉक स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 का आयोजन

प्रशिक्षुओं ने किया प्रदेश के 75 जनपदों के निकायों का मूल्यांकन

लखनऊ। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के लिए प्रदेश के नगरीय निकाय तैयार हैं। इस सर्वेक्षण के मद्देनजर निकायों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए राज्य मिशन निदेशालय, स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश की ओर से 24 और 25 अप्रैल को मॉक स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 का आयोजन किया गया। इसके अन्तर्गत नगरीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान द्वारा नगरीय निकायों में नवनियुक्त सहायक नगर आयुक्तों/ अधिशासी अधिकारियों (श्रेणी-1), अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, सहायक अभियन्ताओं एवं राजस्व निरीक्षकों के लिए मॉक ट्रेनिंग के लिए विभिन्न 75 जनपदों में भेजा गया।यहां प्रशिक्षुओं द्वारा गार्बेज फ्री सिटी (GFC) स्टार रेटिंग के मानकों के अनुसार निकायों का मूल्यांकन किया गया। निकायों को कूड़े के डोर-टू-डोर कलेक्शन, सोर्स सैग्रीगेशन, सी एंड डी वेस्ट कलेक्शन, वेट वेस्ट प्रोसेसिंग एंड कैपेसिटी, ड्राइ वेस्ट प्रोसेसिंग एंड कैपेसिटी, डंपसाइट रैमिडिएशन, प्लास्टिक प्रतिबंध, शिकायत निस्तारण, यूजर चार्जेज, आईईसी एंड कैपिसिटी बिल्डिंग जैसे 16 मानकों पर परखा गया। राज्य मिशन निदेशक श्रीमती नेहा शर्मा के आदेश पर इस मॉक स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 की मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार की गई। जिसे आधार पर प्रदेश में स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के लिए तैयारियों तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

नगर की खबर
दिनांक: 15 मार्च 2023

प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से मंत्री श्री ए.के. शर्मा जी नेअपने विभाग में लागू की SAMBHAV की व्यवस्था

लखनऊ: प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए0के0 शर्मा जी 25 मार्च, 2022 को मंत्री पद की शपथ ली थी। इसके पश्चात ही महज 10 दिनों में नगरीय निकाय, निदेशालय में DCCC (Dedicated Command & Control Center) की शुरुआत की, जिसके माध्यम से शहरों की सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग की जाती है और जनशिकायतों का निस्तारण भी कराया जाता है। शिकायत करने के लिए टोल फ्री नंबर 1533 भी आमजन को उपलब्ध कराया गया। साथ ही जनता से सीधे जुड़ने और उनकी समस्यायों के त्वरित निस्तारण के लिए उन्होंने 18मई, 2022 अपने दोनो विभागों में SAMBHAV नामक व्यवस्था को शुरु किया। इसके माध्यम से 03 से 04 चरणों में प्रति सप्ताह अधिकारियों द्वारा जनसुनवाई की जाती है। प्रत्येक महीने स्वयं मंत्री जी के स्तर से भी राज्य स्तरीय जनसुनवाई की जाती है।

जनसुनवाई के दौरान मंत्री जी वर्चुअल माध्यम से शिकायतकर्ता और सम्बंधित अधिकारी से शिकायत के सम्बन्ध में बात करते हैं और वास्तविक स्थित की जानकारी लेते है। मंत्री जी द्वारा इस दौरान ऑनलाइन संवाद कर कार्यों में लापरवाही व शिथिलता बरतने तथा राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों पर तत्काल सख्त कार्रवाई करने के भी निर्देश देते है। मंत्री जी का मानना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने और लोगो का इस पर विश्वास बहाली के लिए आमजन की परेशानियों के प्रति संवेदनशीलता दिखानी होगी। इसमें अब काम चलाऊ और टालने की कार्य संस्कृति नहीं चलेगी। जनता की शिकायतों को गंभीरता से न लेने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने व जनशिकायतों के लंबित प्रकरणों और विभाग को आर्थिक नुकसान पहुंचाने वाले कार्यों की जांच कर सीधे संबंधित अधिकारी और कर्मचारी से वसूली की जानी चाहिए।

मंत्री जी के प्रयासों से एक वर्ष में नगर विकास विभाग में आई कुल 46308 जन शिकायतों में से 45829 का सफल निस्तारण कराया गया, वहीं ऊर्जा विभाग में भी 170854 शिकायतों में से 156699 का सफल निस्तारण हो चुका है और 14155 प्रक्रिया में है।

निदेशक की कलम से...

श्रीमती नेहा शर्मा
निदेशक, स्थानीय निकाय

नगर विकास विभाग आमजन के नगरीय जीवन को उत्कृष्ट बनाने के प्रतिबद्ध है। नगरों को वैश्विक स्तर का बनाने के लिए नगरीय क्षेत्र में साफ-सफाई का कार्य प्रात: काल से शुरू हो जाता है। लेकिन स्थायी स्वच्छता बिना जनसहभागिता के सुनिश्चित नहीं की जा सकती। इसलिए विभाग द्वारा समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाते हैं। नगरीय परिवेश में बदलाव के लिए हम सामूहिक प्रयास कर रहे हैं। आमजन को अपने घरों में गीला और सूखा कचरा अलग-अलग एकत्र करने के लिए प्रेरित करने के साथ ही हम होम कंपोस्टिंग के माध्यम से गीले कचरे के निस्तारण के प्रति भी जागरूक कर रहे हैं। पर्यावरण को बचाने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश को स्वच्छ बनाने में आप सभी भी सहभागी बनें। हमें नए भारत का नया उत्तर प्रदेश बनाना है, जन-जन के सपनों का प्रदेश बनाना है।

गोबर से बनेगी कम्पोस्ट खाद : मथुरा वृंदावन नगर निगम ने लगाया प्लांट, गंदगी से मिलेगी निजात और होगी आमदनी

मथुराः मथुरा वृंदावन में अब नगर निगम गोबर से आर्गेनिक खाद बनाएगा। इसके लिए वृंदावन स्थित कान्हा पशु आश्रय गोशाला पर नगर निगम ने प्लांट लगाया है। इसका नगर आयुक्त ने विधि-विधान से पूजन कर शुभारंभ किया। कान्हा पशु आश्रय गोशाला में लगाए गए प्लांट पर 61 लाख रुपए की लागत आई। इस प्लांट के जरिए 25 टन गोबर को प्रतिदिन आर्गैनिक खाद में बदला जा सकता है। 1 टन आर्गैनिक खाद से नगर निगम को 312 रुपए आय प्राप्त होगी। जिसमें प्रतिदिन लगभग 7500 से 8000 रुपए निगम को मिलेंगे।

मथुरा वृंदावन नगर निगम ने गोबर से आर्गैनिक खाद बनाने के लिए वृंदावन में स्थित कान्हा पशु आश्रय गोशाला में उपकरण लगाए। 15वें वित्त की आरक्षित धनराशि से लगाए गए इन उपकरणों का नगर आयुक्त अनुनय झा, अपर नगर आयुक्त क्रांति शेखर सिंह ने पूजन अर्चन किया। इस प्लांट का संचालन रमेश चंद्र चैरिटेबल ट्रस्ट गाजियाबाद के द्वारा किया जायेगा। कान्हा पशु आश्रय गोशाला में वर्तमान में 2111 गौ वंश है। इस गौ वंश से प्रतिदिन 10 से 12 टन गोबर उत्सर्जित होता है।

प्रदेश में सफाई मित्रों को सुरक्षा के साथ मिला सम्मान

नगरीय निकायों में मशीनों से हो रही सीवर/सैप्टिक टैंक की सफाई

लखनऊ। प्रदेश के नगरीय निकायों में सीवर/सैप्टिक टैंक की सफाई में लगे सफाई मित्रों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। वेतन समय में मिल रहा है। सफाई मित्रों के सीवर में उतरने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया है। बड़ी-बड़ी मशीनों के सहारे सफाई कराई जा रही है। सफाई मित्रों को नियमित रूप से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। सुरक्षा उपकरणों के साथ ही आकास्मिक चिकित्सा तक की व्यवस्था की गई है। वहीं, दूसरे ओर 10 लाख रुपये तक का बीमा जैसी सुविधाओं भी सुनिश्चित किया गया है। नतीजा, सफाई मित्र एक सम्मानजनक सुरक्षित जीवन व्यतित कर रहे हैं।

बता दें, प्रदेश में हाथ से मैला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम 2013 के पूरे देश में प्रभावी होने के बाद अधिनियम के समस्त प्राविधानों का कड़ाई के साथ अनुपालन किए जाने की व्यवस्था की गई है। प्रदेश सरकार द्वारा वन सिटी वन ऑपरेटर योजना के साथ व्यापक बदलाव किया गया है। इतना ही नहीं, समस्त नगरीय निकायों में सीवर /सैप्टिक टैंक की सफाई कार्य में लगे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

ऐसे बदला सफाई मित्रों की जीवन

पिछले 10 वर्षों से काम कर रहा हूं। पहले जलकल के साथ काम करता था। वन सिटी वन ऑपरेटर योजना के बाद कई बदलाव किए गए हैं। मैनहोल में उतरकर काम करने पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है।

मैं पिछले 15 वर्षों से सीवर सफाई का काम कर रहा हूं। अब बिना सुरक्षा के साथ सीवर सफाई का कोई काम नहीं करते हैं। अब समय पर वेतन आ रहा है। बीमा तक कराया गया है। हम सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

अब हमें मैनहोल में अंदर जाने की जरूरत नहीं पड़ती है। बड़ी बड़ी मशीनों से काम होता है। मैं और मेरी टीम वार्ड नौ में काम कर रही है। हमारे सेफ्टी ऑफिसर समय समय पर आकर ट्रेनिंग देते हैं।

मैं पिछले 10 सालों से नगर निगम मेरठ में सफाई कर्मचारी के रूप में काम कर रहा हूं। पहले ऐसा नहीं था। सीवर सफाई के लिए सीवर में घुसना पड़ता था लेकिन, अब ऐसा नहीं है।

नगर की खबर
दिनांक: 15 मार्च 2023

प्रदेश के नगरीय निकायों के 535 मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर्स हुए क्रियाशील

गीले कूड़े से बन रही खाद, आमदनी का जरिया बना सूखा कूड़ा

लखनऊः प्रदेश के नगरीय निकायों ने कूड़े के समुचित निस्तारण में एक मिसाल पेश की है। प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों में बने 535 मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) सेंटर्स क्रियाशील हो चुके हैं। यहां प्रतिदिन कूड़ा का पृथक्कीकरण कर न केवल निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है बल्कि, यह सेंटर हजारों नए रोजगार के अवसर देने के साथ ही निकायों की कमाई का जरिया भी बन गए हैं। इन मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी सेंटर्स पर से रोजाना कई टन कूड़े की प्रोसेसिंग की जाती है। यहां शहरों के विभिन्न इलाकों से डोर-टू-डोर कलेक्शन के बाद हर तरह का कूड़ा पहुंचाया जाता है। गीले कचरे (जैविक कचरे) को खाद में परिवर्तित किया जा रहा है। दूसरी ओर अजैविक कचरे को कागज़, गत्ता, धातु, प्लास्टिक इत्यादि कई श्रेणियों में अलग किया जाता है।

सूखे कूड़े को बेंचकर बढ़ाई आमदनी नगर पालिका परिषद सोनभद्र ने कूड़े को अपनी कमाई का जरिया बनाया है। यहां प्रतिदिन घरों से गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग लिया जाता है। एमआरएफ सेंटर पर पहुंचने के बाद सूखे कूड़े में रैपर, पन्नी, बैग, कांच, रबर, फोम, पेपर-वेस्ट, लोहा/टिन, मांसाहारी वेस्ट, प्लास्टिक बोतल समेत अन्य को अलग-अलग किया जाता है। इसे बाद में संबंधित उद्योग को भेजकर निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है।

नगर पंचायत हरदुआगंज में बनाया कम्पोस्ट पिट अलीगढ़ की नगर पंचायत हरदुआगंज समेत प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों में एमआरएफ सेंटर में गीले कूड़े के निस्तारण के लिए कम्पोस्ट पिट की व्यवस्था अपनाई गई है। यहां प्रतिदिन हजारों टन कूड़े से खाद बनाने की व्यवस्था की गई है। एक ओर जहां, निस्तारण सुनिश्चित हो रहा है वहीं, यह खाद कृषि समेत दूसरे कार्यों में इस्तेमाल की जा रही है।

नगर पालिका परिषद गजरौला बनी मिसालनगर पालिका परिषद गजरौला ने कूड़े के समुचित निस्तारण में एक मिसाल प्रस्तुत की है। यहां कूड़े के एक अवसर के रूप में लिया गया। गीले और सूखे कूड़े के समुचित निस्तारण के लिए पहले आम जनमानस से शुरूआत की गई। लोगों को घरों का कूड़ा अलग-अलग देने के लिए जागरूक किया गया। गीले कूड़े के निस्तारण के लिए कम्पोस्ट पिट और सूखे के निस्तारण के लिए एमआरएफ सेंटर पर व्यवस्था की गई। अब गीले कूड़े को भी विभाजित किया गया। घरों से निकलने वाले बचे हुए खाद्य पदार्थों को एकत्र कर गौशालाओं में पहुंचाया गया।

मोदीनगरः महिला सशक्तिकरण का माध्यम बना एमआरएफ नगर पालिका मोदीनगर में मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) सेंटर न केवल कूड़े का निस्तारण कर रहे हैं बल्कि यह महिलाओं के सशक्तिकरण का भी एक माध्यम बन चुका है। मोदीनगर के संजयपुरी और बिशोखर इलाके में एमआरएफ सेंटर बने हुए हैं। इन दोनों सेंटर को संचालित करने की जिम्मेदारी एसएचजी की स्वच्छता दीदीयों ने उठा रखी है। उनके द्वारा कूड़े का पृथक्कीकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। बाद में, गीले कूड़े का उपयोग खाद बनाने व सूखे कूड़े का विक्रय किया जा रहा है।

महोबाः कूड़ा अब बढ़ा रहा है शहर की शोभा नगर पालिका परिषद महोबा में जो कूड़ा अभी शहर की शोभा खराब करता था वह अब खूबसूरती बढ़ाने का काम कर रहा है। असल में, यहां कूड़े के रूप में मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) सेंटर पर पहुंचने वाली कांच की बोतलें, खराब टायर जैसे वेस्ट से सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है। नगर पालिका में गीले कूड़े के निस्तारण के लिए कम्पोस्ट पिट बनी है। यहां खाद तैयार की जा रही है। वहीं, सूखे कूड़े को अलग-अलग कर बेंचा जा रहा है। हाल ही में यह प्लास्टिक वेस्ट से दाना बनाने वाली मशीन की भी व्यवस्था की गई है।

प्रदेश के क्रियाशील एमआरएफ सेंटर की मंडलवार तस्वीर

आगरा मंडल - 38, अलीगढ़ - 38, बस्ती - 9, बरेली - 57, चित्रकूट - 18, देवीपाटन - 7, गोरखपुर - 22, झांसी - 28, कानपुर - 25, लखनऊ - 64, मिर्जापुर - 15, मुरादाबाद - 48, प्रयागराज - 28, सहारनपुर - 32

नगर की खबर
दिनांक: 15 मार्च 2023

प्रेरणा शहर स्तरीय समिति की दीदीयों को सौंपी गई निदेशालय के हॉस्टल मैस संचालन की जिम्मेदारी

नगरीय निकाय निदेशालय की महिला सशक्तिकरण की ओर उठाया एक और कदम

लखनऊ। नगरीय निकाय निदेशालय ने प्रदेश की महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में अनूठी पहल की है। प्रेरणा शहर स्तरीय समिति की दीदीयों को निदेशालय के हॉस्टल में बनी मैस के संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जहां प्रोफेशनल कैटर्स पहले हॉस्टल के लोगों को भोजन कराते थे, वहां अब महिलाओं के समूह द्वारा स्वच्छ व घर जैसा खाना उपलब्ध कराया जा रहा है। निदेशक स्थानीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा ने बताया कि यह शुरुआती मॉडल है। ऐसे आने वाले समय में नगरीय निकायों में भी लागू किया जाएगा।

डूडा से मिली मदद, बदली इनकी जिंदगी

प्रेरणा शहर स्तरीय समिति की सदस्य कंचन श्रीवास्तव (35 वर्ष) बताती हैं कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। वर्ष 2020 में उनकी मुलाकात प्रेरणा सीएलएफ (शहर स्तरीय समिति) की अध्यक्ष शालिनी सिंह से हुई। उन्होंने शालिनी सिंह के कहने के अनुसार याशिका समूह बनाया। इसमें 10 महिलाएं कंचन श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष कामिनी मिश्रा सदस्य, यसी, दीपाली, संदीपा, मीनाक्षी, रेशों, निशा, सलोनी आदि महिलाओं को शामिल किया गया।

प्रमुख सचिव ने किया निरीक्षण

माननीय प्रमुख सचिव नगर विकास श्री अमृत अभिजात जी ने विभागीय अधिकारियों के साथ तीन मई को निदेशालय में प्रेरणा शहर स्तरीय समिति की दीदीयों द्वारा संचालित हॉस्टल मैस का निरीक्षण भी किया। उन्होंने मैस की व्यवस्थाओं को और भी बेहतर बनाने के संबंध में निर्देश दिए। इस अवसर पर एमडी जल निगम श्री अनिल ढींगरा, विशेष सचिव श्री अमित कुमार सिंह, विशेष सचिव श्री धर्मेंद्र प्रताप सिंह, विशेष सचिव डॉ. राजेन्द्र पैंसिया, विशेष सचिव श्री उदयभान त्रिपाठी, निदेशक नगरीय निकाय श्रीमती नेहा शर्मा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी गण मौजूद रहे।

बाराबंकी में हर घंटे होगा 40 से 45 टन कूड़े का निस्तारण

बंद पड़ी ट्रॉमेल मशीनों को ठीक करने का काम शुरू, शहर वासियों को मिलेगी राहत

बाराबंकी। नगर पालिका क्षेत्र में लगा कूड़ा निस्तारण केंद्र जल्द शुरू होने के आसार नजर आने लगे हैं। दरअसलए यहां लगी ट्रॉमेल मशीनों को ठीक कराने के लिए कानपुर की एजेंसी को जिम्मा सौंपा गया है। एक मशीन की मरम्मत कर ली गई है और उसका ट्रॉयल भी शुरू हो गया है। दो अन्य की मरम्मत जल्द पूरी होने का दावा किया जा रहा है। मरम्मत के बाद नगर पालिका इसका संचालन खुद करेगी।

बता दें कि शहर के करीब तीन लाख लोगों के घरों से प्रतिदिन 40 से 45 टन कूड़ा निकलता है। कूड़े के निस्तारण के लिए ककरहिया में कूड़ा निस्तारण केंद्र बना था जो करीब एक वर्ष से बंद पड़ा है। अधिकांश मशीनें खराब हो गईं हैं और कार्यदायी संस्था भी कार्य छोड़कर जा चुकी है। ऐसे में यहां कूड़े के पहाड़ लग गए हैं। अमर उजाला ने लगातार इस मुद्दे को उठाया। इसके बाद नगर पालिका प्रशासन ने यहां लगी छह में से तीन ट्रॉमेल मशीनों की मरम्मत के लिए करीब 54 लाख रुपये का प्रस्ताव तैयार किया था। डीएम से प्रस्ताव को मंजूरी के बाद जल निगम सीएनडीएस को कार्य का जिम्मा सौंपा गया था। करीब दो सप्ताह पहले कानपुर की कामद इंटरप्राइजेज ने इन ट्रॉमेल मशीनों को ठीक करने का जिम्मा संभाला। यहां मशीनों तक पहुंचने के लिए कूड़े के पहाड़ हटाकर रास्ता बनाया गया और कार्य शुरू हुआ। बृहस्पतिवार शाम तक एक ट्रॉमेल मशीन की मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया गया। अब इसका ट्रायल किया जा रहा है। ट्रायल में खरा उतरने पर अगले एक-दो दिनों में कूड़ा निस्तारण शुरू हो जाएगा। प्रत्येक ट्रॉमेल से प्रति घंटे दस से 15 टन कूड़े का निस्तारण हो जाएगा। ईओ पवन कुमार ने बताया कि अगले एक-दो दिनों में ट्रॉयल पूरा होने के बाद निस्तारण का काम शुरू हो जाएगा।

लखनऊ: निगम द्वारा ने स्पिटिंग पॉइंट व रेड स्पॉट को खत्म करने के लिए शुरू किया वृहद अभियान

लखनऊ। लखनऊ शहर के रेड स्पॉट्स (ऐसे स्थान जहां पर नागरिक आदतन पान मसाला थूकते हैं) को पूरी तरह से हटाने एवं साफ करने हेतु वृहद अभियान शुरू किया गया है। वार्ड स्तर पर उन जगहों को चिन्हित किया जा रहा है, जहां पर रोजाना शहर के नागरिक थूक देते हैं एवं गंदगी फैला देते हैं।

यहां Behavioural change के अंतर्गत आने वाले (Silent Request) के तरीके को अपनाते हुए जागरूकता के संदेश लिखकर उन स्थानों के सामने खड़े हो कर जागरूकता का प्रसार कर रहे हैं। इस अभियान के तहत जगरूक्त का प्रसार करते समय सामने से गुजरने वाले नागरिक इन संदेशों को ध्यान से पढ़ते हुए निकले , जिससे कि टीम के द्वारा उन्हें शहर की सफाई एवम सुंदरता के प्रति संवेदनशील एवम सुग्राही बनाने हेतु प्रयास किया गया।

शहर के ऐसे ही रेड स्पॉट्स को वार्ड स्तर पर चिन्हित किया गया है एवं रोज़ाना सुबह 10 से 12 बजे तक आई ई सी टीम के सदस्य इसी तरह जागरूकता के संदेश लिखकर उन रेड स्पॉट्स के सामने खड़े होंगे और लोगों को जागरूक करने का प्रयास करेंगे साथ ही शहर की स्वच्छता पर धब्बे के समान इन रेड स्पॉट्स को पूरी तरह खत्म करने हेतु निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

गोमती नदी को स्वच्छ बनाने के लिए शुरू किया वृहद 'गो फ़ॉर गोमती' कैंपेन

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ की ओर से गोमती नदी को स्वच्छ बनाने के लिए वृहद 'गो फ़ॉर गोमती' कैंपेन की शुरुआत की गई। इसके अन्तर्गत 7 मई को जनभागीदारी के साथ गोमती नदी की सफाई सुनिश्चित की गई। आयुक्त श्री इंद्रजीत सिंह जी के आदेशानुसार व उनकी उपस्थिति में अपर नगर आयुक्त श्री अवनींद्र कुमार, रेडियो मिर्ची से आर.जे. प्रतीक एवं करीब 200 अन्य लोगों के गोमती के तट को साफ किया। जैसा कि हम सब जानते हैं कि भारत के उत्तर प्रदेश राज्य में बहने वाली गोमती नदी जो कि गंगा नदी की एक प्रमुख उपनदी में से एक है और पांच दिव्य नदियों में से एक मानी गयी है।इसी महत्व को ध्यान में रख कर समय समय पर नदी की देख रेख नगर निगम लखनऊ द्वारा विशेष अभियान चलाकर की जाती है।उसी क्रम में नगर आयुक्त द्वारा एक विशाल कैम्पेन "गो फ़ॉर गोमती" की शुरुआत की गई है।जिसके तहत गोमती नदी के सभी तटों की साफ सफाई व्यवस्था को बरकरार रखा जाएगा।साथ ही नदी की स्वच्छता को बनाये रखने हेतु इसकी सफाई भी कराई जाएगी। वहीं लोगों को नदी में कचरा इत्यादि फेंकने से रोकने व उनमे जागरूकता का प्रसार करने का कार्य भी स्थानीय लोगों व निगम के जिम्मेदारों द्वारा किया जाएगा।उक्त कैम्पेन प्रत्येक रविवार को वृहद रूप से चलाया जाएगा।आज चलाये गए अभियान में नगर निगम के अफसरों के साथ ही लगभग 200 अन्य लोगों की उपस्थिति में इसे सम्पन्न कराया गया।

पर्यावरण आंदोलन सेना ने 10 कुंतल से अधिक कचरा निकाला

स्वच्छ पर्यावरण आंदोलन सेना तथा सिटी मॉन्टेसरी स्कूल के युवा योद्धाओं ने संयुक्त रूप से गोमती नदी सफ़ाई अभियान में रविवार 07 मई को लगभग 10 कुंतल से अधिक कचरा गोमती नदी की तलहटी से निकालकर गोमती नदी सामूहिक स्वच्छता अभियान का संदेश दिया। लगातार 256वें साप्ताहिक रविवार को स्वच्छ पर्यावरण आंदोलन सेना तथा सीएमएस के युवा योद्धा गोमती नदी सफाई को लेकर प्रातः 5:30 बजे हनुमान सेतु निकट झूले लाल पार्क गोमती नदी तट पर पहुंच कर गोमती नदी सफाई अभियान की संयुक्त रूप से शुरुआत की। पर्यावरण सेना के संयोजक रणजीत सिंह तथा सीएमएस युवा योद्धा के संयोजक भुवन जैसवाल

के संयुक्त नेतृत्व में लगभग 6 दर्जन स्वयं सैनिकों ने गोमती नदी की तलहटी व गोमती नदी तट पर लगभग 1 घंटे तक कड़ी मेहनत के बाद कुंटलो कचरा सड़े गले कपड़े पालथीन हवन सामग्री ,फूल माला इत्यादि तथा देवी देवताओं की सैकडों मूर्तियां निकालते रहे।

मेरठ: बच्चों के लिए तैयार किया किड्स कॉर्नर

मेरठ। कबाड़ से जुगाड़ अभियान के लिए देश भर में प्रशंसा बटोर रहे नगर निगम मेरठ की ओर से एक अनूठी पहल की गई है। यहां बेकार वस्तुओं के इस्तेमाल से चौराहों को सजाया गया है। बच्चों के खेलने के लिए किड्स कॉर्नर के रूप में विकसित किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा सर्किट हाउस चौराहे पर पहला किड्स कॉर्नर तैयार किया गया है। यहां बच्चों को हिल ट्रैकिंग, प्ले टनल से लेकर सरकने वाले झूले तक तैयार किए गए हैं। खास बात यह है कि यह सभी झूले बेकार जेसीबी टायर, लोहे के स्क्रैप जैसी वस्तुओं के इस्तेमाल से तैयार किए गए हैं। यह किड्स कॉर्नर पूरी तरह से निशुल्क हैं और सात साल तक के बच्चे यहां खेल सकते हैं। नगर निगम की ओर से यह पहला प्रयोग है। इसके बाद आगे भी कई इस तरह के किड्स कॉर्नर बनाने की तैयारी है।

नगर निगम लखनऊ : बड़े मंगल को जीरो वेस्ट इवेंट बनाने का फैसला, भंडारा करने वालों का होगा रजिस्ट्रेशन

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने इस बार जेष्ठ माह में बड़े मंगल के पर्व को और अधिक खास व बेहतरी के साथ संपन्न कराए जाने हेतु इन्हें जीरो वेस्ट बड़ा मंगल के रूप में मनाये जाने की तैयारी की गई है।जिसके तहत कुछ नियमो का पालन कर व नगर निगम में रेजिस्ट्रेशन करवा कर इस पावन पर्व को सम्पन्न कराया जा सके। शहर में साफ सफाई व्यवस्था बरकरार रखने के लिए कंट्रोल रूप व एप के माध्यम से रजिस्ट्रेशन कर भंडारा कराने वाले लोगों को कुछ खास सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। जो लोग बड़े मंगल या शनिवार को भंडारों का आयोजन करेंगे, उनके लिए नगर निगम में एक रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में भाग लेना अनिवार्य होगा।जिसके लिए वे नगर निगम के पोर्टल पर अथवा लखनऊ वन एप इंसटाल कर अथवा 1533 नंबर पर नगर निगम द्वारा संचालित किए जा रहे कंट्रोल रूम में फोन कर अपना नाम नंबर व वे भंडारे में कितने लोगों के खाने की व्यवस्था करेंगे इसकी जानकारी दर्ज करानी होगी।

इनका रखें ध्यान

1- सिंगल यूज़/प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग करने से बचें।2- जीरो वेस्ट बड़ा मंगल भड़रा के लिए आपको जीरो वेस्ट बड़ा मंगल भंडरा लिखा हुआ बैनर लगाना अनिवार्य है।3- कूड़े का अधिक उत्पादन ना हो इस लिए कम से कम सिंगल यूज़ वस्तुओं का उपयोग करें।4-गीले और सूखे कूड़े के लिए 2 प्रकार का डस्टबिनस रखना अनिवार्य है।

आगरा: 'ये गलियां ये चौबारा, यहां आओगे दोबारा'... शहर की इस आदर्श गली को देखकर यही कहेंगे आप

आगरा। मकानों के पीछे गली में आमतौर पर गंदगी देखने को मिलती है। लोग अपने दरवाजों को तो सुंदर और स्वच्छ कर लेते हैं, लेकिन उसी मकान के पीछे स्थित गलियां जिसे बैकलेन भी बोलते हैं। वहां घर की गंदगी जमा रहती है। लेकिन आगरा नगर निगम ने दो गलियों को चित्रकारी कर आदर्श गली बना दिया है। जिस गली में कभी गंदगी जमा रहती थी, आज वहां बच्चे उछल कूद कर रहे हैं। क्षेत्रीय लोग भी नगर निगम की इस पहल की सराहना करते नजर आ रहे हैं।

आगरा नगर निगम ने वार्ड 27 के बाग मुजफ्फर खान में मौजूद करीब 10 से 15 मीटर की गली को आदर्श बैकलेन के रूप में विकसित किया है। लोग अपने घरों की गंदगी यहां फेंक दिया करते थे। अब जो भी इस गली में जा रहा है या फिर यहां से गुजर रहा है, वह यहां की सुंदरता को देखकर एक फोटो जरूर क्लिक कर रहा है।

गली में बिछी हुई टाइल्स पर बच्चों के खेलने के लिए रंग बिरंगे सर्किल बनाए गए हैं, काउंटिंग लिखी गई है। वहीं गली में मौजूद दोनों तरफ की दीवारों पर सुंदर फूल पत्तियां और टीवी में आने वाले व बच्चों द्वारा पसंद किए जाने वाले कार्टून कैरेक्टर बनाए गए हैं। बच्चे जहां एक तरफ गली में उछल कूद कर आनंद ले रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ क्षेत्रीय लोग नगर निगम की पहल की सराहना कर रहे हैं।

नगर निगम द्वारा आगरा में सर्वप्रथम वार्ड 53 हींग की मंडी में पंजाबी वाली गली को प्रथम आदर्श बैकलेन बनाया गया था। वहीं अब तक नगर निगम दो गलियों को आदर्श गली बना चुका है। अपर नगर आयुक्त सुरेंद्र प्रसाद यादव ने इस गली का उद्घाटन किया था। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा प्रथम चरण में शहर के सभी वार्ड में एक गली को आदर्श बैकलेन बनाएगा। वहीं के क्षेत्रीय निवासियों को गली को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी दी गई है।

नगर की खबर
दिनांक: 15 मार्च 2023

बडौत: कूड़े का पहाड़ खत्म,हरा-भरा मैदान बढ़ा रहा नगर की शोभा

नगर पालिका परिषद ने 33,660 MT लिगेसी वेस्ट का निस्तारण सुनिश्चित किया

बागपत। प्रदेश में सालों से इकट्ठा कूड़े के पहाड़ों (लीगेसी वेस्ट) को खत्म करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के अब सुखद परिणाम सामने आने लगे हैं। लाखों टन कूड़े का वैज्ञानिक रूप से निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है। ऐसी ही एक तस्वीर नगर पालिका परिषद बडौत में भी उभर कर सामने आई है।

नगर पालिका परिषद बडौत के सफल प्रयासों का नतीजा है कि इस नगरीय क्षेत्र में सालों से मुसीबत बना कूड़े का पहाड़ खत्म हो गया है। नगर पालिका परिषद द्वारा 33,660 M T लिगेसी वेस्ट का निस्तारण सुनिश्चित किया गया। यहां पहले कभी कूड़े का पहाड़ हुआ करता था, अब वहां हरा-भरा मैदान नगर की शोभा बढ़ा रहा है।स्थानीय नागरिक आलोक सिंह बताते हैं कि बीते कई वर्षों से यहां नगर भर से कूड़ा इकाट्ठा होता रहा है। यहां से आसपास से निकलना मुश्किल था। बरसात के समय तो हालत और भी खराब हो जाती थी लेकिन,अब तस्वीर ही बदल गई है।

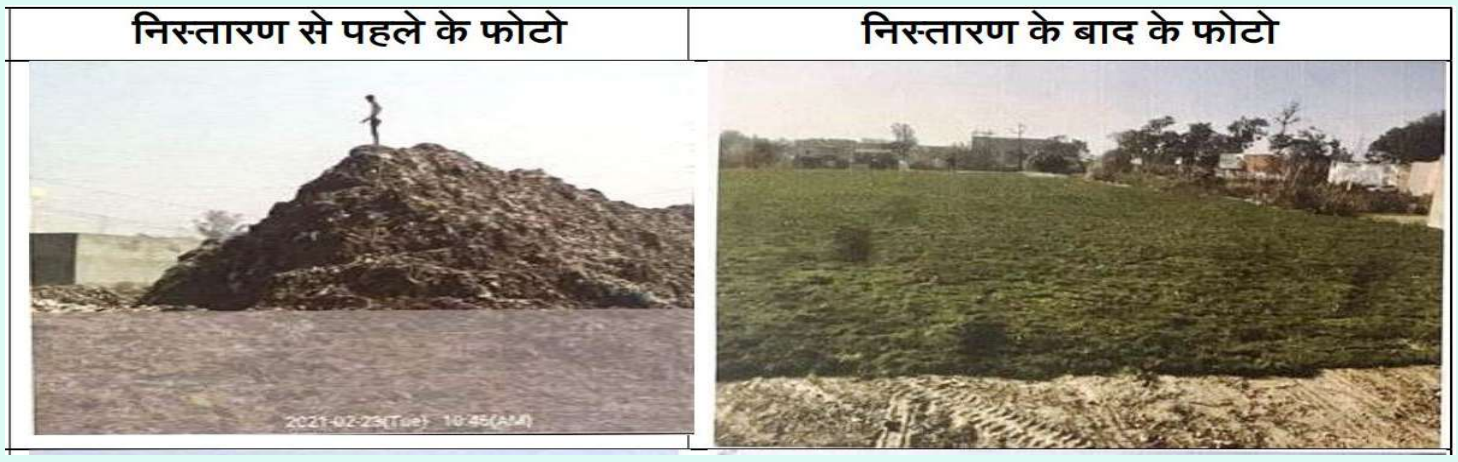

अनूपशहरः 38220 MT कूड़ा किया साफ

नगर पालिका परिषद अनूपशहर जनपद बुलन्दशहर के द्वारा भी लिगेसी वेस्ट के निस्तारण में किए गए प्रयासों के अच्छे परिणाम सामने आए हैं। यहां बाबा मस्तराम इलाके में स्थित लिगेसी वेस्ट साईट (1.07 हैक्टेयर) पर 38220 MT कूड़ा कई वर्षों से पड़ा हुआ था। इसका वैज्ञानिक रूप से निस्तारण सुनिश्चित करने के साथ ही स्थान का सौंदर्यीकरण भी कराया गया है।

बभनान बाजारः 7000 MT कूड़ा किया साफ

नगर पालिका परिषद अनूपशहर और नगर पालिका परिषद बडौत की तरह ही नगर पंचायत बभनान बाजार जनपद बस्ती ने भी लिगेसी वेस्ट साइट को खत्म करने में सफलता हासिल की है। यहां 7000 मेट्रिक टन लिगेसी वेस्ट था। जिसका निस्तारण निकाय द्वारा अपने संसाधनों से किया गया है।

गोरखपुर: पहले अभियान चलाकर करेंगे जागरूक, फिर वसूलेंगे जुर्माना

गोरखपुर। नगर निगम गोरखपुर द्वारा सड़क पर कूड़ा डालने वाले एवं कूड़ा पात्र न रखने वाले व्यवसायिक संस्थानों के खिलाफ अभियान चला कर कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम शहर भर के ऐसे क्षेत्र जहां सर्वाधिक कूड़ा निकलता है, उन्हें चिह्नित कर रहा है। चिन्हित क्षेत्रों में अभियान चला कर दुकानदारों, रेस्टोरेंट संचालकों एवं विभिन्न व्यवसायिक प्रतिष्ठान को प्रेरित किया जाएगा कि गीला एवं सूखा कूड़ादान रखे। उसके बाद सड़क पर कूड़ा डालने वालों एवं कूड़ा पात्र न रखने वालों के खिलाफ अभियान चला कर जुर्माना वसूल किया जाएगा।

नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल के निर्देश पर सर्वाधिक कूड़ा निकलने वाले क्षेत्रों में रेलवे स्टेशन, रेलवे बस स्टेशन, बाल विहार, गोलघर, बेतियाहाता, भलोटिया दवा मार्केट आदि स्थान को चिह्नित किया गया है।

अलीगढ़: सोलर एनर्जी से जगमगायेगा नगर निगम सेवा भवन

पर्यावरण बचाव, कार्बन डाइऑक्साइड को कम करने के लिए नगर आयुक्त ने पेश की नज़ीर शहर वासियों से ज्यादा से ज्यादा रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने अपीलअलीगढ़ । अलीगढ़ नगर निगम सेवा भवन 24 लाख रुपये की लागत से सौर ऊर्जा से जगमग होगा। इस भवन पर रूफटॉप सोलर पैनल से रोशनी की व्यवस्था की जा रही है।

अलीगढ़ नगर निगम प्रदेश का पहला ऐसा भवन होगा, जहां ये व्यवस्था की जाएगी।नेडा विभाग से 24 लाख रुपये की लागत से 40 किलो वाट ऑन ग्रिड सोलर पावर प्लांट का काम यहां शुरू कर दिया है।

रूफटॉप 40 किलो वाट ऑन ग्रिड सोलर प्लांट का नगर आयुक्त ने निरीक्षण किया और कार्यदायी संस्था को जल्द इसे पूरा करने के निर्देश दिए। अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव ने बताया कि प्लांट की स्थापना से प्रतिदिन 160 यूनिट बिजली पैदा होगी।

इस प्रकार प्रति वर्ष 57600 यूनिट विद्युत उत्पादन होगा। जिसमें 58.4 टन कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन कम किया जा सकेगा। जिसकी पूरी लागत पांच साल में वसूल की जा सकेगी। इस प्लांट से सालाना 4,60,800 और 25 वर्ष में 1,15,30,000 रुपये की बिजली बन सकेगी। जिससे वार्षिक बचत ₹460800.00 व 25 वर्ष में ₹11530000.00 होगी।

क्रिकेट के जोश के साथ स्वच्छता का संदेश

लखनऊ : इंडियन प्रीमियम लीग (आईपीएल) के दौरान नगर निगम लखनऊ ने क्रिकेट प्रेमियों को स्वच्छता का संदेश देने के लिए अनूठे प्रयास किए। नगर निगम द्वारा 660 निष्प्रयोज्य प्लास्टिक की बोतलों के सहारे भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम के सामने रेत की यह कलाकृति बनाई गई। यह खेल प्रेमियों को सिंगल यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने का संदेश दिया। इसके माध्यम से क्रिकेट प्रेमियों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 के लिए भी जागरूक किया गया। वहीं, तीन मई को हुई मैच से पहले लखनऊ नगर निगम द्वारा इकाना स्टेडियम की ठीक सामने महेन्द्र सिंह धोनी के मैच के लिए सेल्फी पॉइंट तैयार किया गया। स्वच्छता का संदेश देने रहा यह सेल्फी पॉइंट खेल प्रेमियों के बीच आकर्षण का केन्द्र बना गया। बड़े संख्या में क्रिकेट प्रेमियों ने यहां पहुंचकर सेल्फी ली।

ऐसे में एक बार फिर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उसके बाद नगर निगम सख्त रुख दिखाते हुए चालान करेगा। हालांकि रेलवे स्टेशन और रेलवे बस स्टेशन पर जुर्माना वसूल करने की प्रक्रिया फिलहाल शुरू भी कर दी गई है। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल को उम्मीद है कि इस अभियान से शहर को साफ सुथरा रखने के लिए लोग प्रेरित होंगे।

आगरा नगर निगम ने कबाड़ से तैयार किया पार्क, शेर, बंदर बने आकर्षण का केन्द्र

आगरा। नगर निगम द्वारा शहरवासियों के ट्रिपल आर - रिड्यूस, रियूज, रिसाइकिल सिद्धांत को प्रोत्साहित करने के लिए एक अनूठी पहल की गई है। यहां मंडलायुक्त कार्यालय के पास एक वेस्ट टू वंडर पार्क विकसित किया गया। इस पार्क के जरिये आगरा नगर निगम द्वारा यह दर्शाने की कोशिश की गई है कि वेस्ट मेटेरियल का इस्तेमाल करके भी शहर को स्वच्छ, सुंदर और आकर्षक बनाया जा सकता है। आजकल वेस्ट मेटेरियल से बहुत ही आकर्षक चीजें बनाई जा रही हैं। कुछ यही उपयोग आगरा नगर निगम की ओर से भी किया गया है। वेस्ट मेटेरियल से आगरा नगर निगम द्वारा मॉल रोड पर 'वेस्ट टू वंडर पार्क' तैयार किया जा रहा है। दरअसल डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन, सफाई व अतिक्रमण अभियान के दौरान जो वेस्ट मेटेरियल मिलता है, आगरा नगर निगम उसको उपयोग में ला रहा है। उसको इस पार्क के माध्यम से प्रदर्शित किया जा रहा है। आगरावासी कर रहे सराहना आगरा नगर निगम द्वारा मंडलायुक्त कार्यालय के समीप बनाए जा रहे वेस्ट टू वंडर पार्क में आपको शेर, बंदर, हिरण, घोड़ा, बिच्छू और मगरमच्छ दिखाई देंगे। इन जानवरों की आकर्षक आकृतियों को नगर निगम ने कबाड़ में पड़ी वस्तुओं से तैयार किया है। इन आकर्षक आकृतियों को बनाने में खराब टायर, कबाड़ हो चुके स्ट्रीट लाइट के खंभे और लोहे के सरिया और पाइपों को आकार दिया गया है। अब यह पार्क लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र बन गया है। मॉल रोड से गुजर रहे लोग यहां सेल्फी भी ले रहे हैं। वेस्ट टू वंडर पार्क देख रहे लोगों को विश्वास ही नहीं हो रहा कि वेस्ट वस्तुओं से इस तरह की आकर्षक और खूबसूरत आकृतियां बनाई जा सकती हैं। लोग आगरा नगर निगम के इस प्रयास की सराहना कर रहे हैं।

अखबारों की नजर से हम सबने ठाना है, स्वच्छ उत्तर प्रदेश बनाना है

एक साल में 98 प्रतिशत शिकायतें निपटी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मंत्री बनने के बाद नगरीय निकाय, निदेशालय में डेडिकेटड कमांड कंट्रोल रूम की शुरूआत की, जिसके माध्यम से शहरों की सफाई व्यवस्था की मॉनिटरिंग की जाती है। इसके साथ ही जनशिकायतों का निस्तारण भी कराया जाता है। एक वर्ष में नगर विकास विभाग में 46308 जन शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 45829 का सफल निस्तारण कराया गया, वहीं ऊर्जा विभाग में भी 170854 शिकायतों में से 156699 का सफल निस्तारण हो चुका है और 14155 प्रक्रिया में है। नगर विकास मंत्री ने कहा कि सरकार की पारदर्शी, संवेदनशील, परेशानियों में शीघ्र राहत देने व लोकतांत्रिक प्रक्रिया की इस व्यवस्था से लोगों का प्रदेश सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। शिकायत करने के लिए टोल फ्री नंबर 1533 भी आमजन को उपलब्ध कराया गया। जन समस्यायों के त्वरित निस्तारण के लिए दोनों विभागों में सम्भव नामक व्यवस्था को शुरू किया। इसके माध्यम से 3 से 4 चरणों में प्रति सप्ताह अधिकारियों की ओर से जनसुनवाई की जाती है। प्रत्येक महीने खुद मंत्री राज्य स्तरीय जनसुनवाई करते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात में तो स्वागत का इतना असर रहा है कि अप्रैल 2003 से मार्च 2023 तक प्राप्त शिकायतो में से 99.91 फीसदी सुलझा ली गई हैं।

यूपी के स्वच्छ विरासत अभियान को मिला हडको अवार्ड

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

- बेस्ट प्रैक्टिसेस टू इम्प्रूव द लिविंग एन्यवार्समेंट में मिला पुरस्कार
- 25 को नईदिल्ली में आवास मंत्रालय देगा यह पुरस्कार

लखनऊ। नगर विकास एवं मंत्री एके शर्मा ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश के स्वच्छ विरासत अभियान को देश के प्रतिष्ठित हडको अवार्ड (2022-2023) के लिए चुना गया है। इस अभियान को बेस्ट प्रैक्टिसेस टू इम्प्रूव द लिविंग एन्यवारमेंट 2022-23 में पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है।

यह एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार सैनिटेशन कैटेगरी में दिया जाएगा। भारत सरकार के उपक्रम हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड की ओर से इसकी घोषणा की गई है। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री केंद्र सरकार हरदीप पुरी आगामी 25 अप्रैल को नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित हडको इण्डिया हैबिटेड सैंटर में आयोजित समारोह में यह पुरस्कार प्रदान करेंगे। एके शर्मा के प्रयासों, मेहनत, ईमानदारी, निष्ठापूर्ण कार्यों से यह सम्मान मिला। नगर विकास मंत्री के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश के नगरों को गुड टू ग्रेट बनाते हुए वैश्विक नगर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में 14 जनवरी, 2023 यानी मकर संक्राति के दिन से पतंग महोत्सव के साथ स्वच्छ विरासत अभियान की शुरूआत की गई। इसमें प्रदेश के 75 पर्यटक स्थलों और ऐतिहासिक स्मारकों को शामिल किया गया। इस दौरान इन स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। नुक्कड़ नाटक, कठपुतली शो, साइट के अंदर प्लॉग रन जैसी गतिविधियों के माध्यम से घाट, तालाब, बाजार समेत अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों की साफ-सफाई में अम जनमानस को शामिल किया गया। 10 दिन के इस सफल अभियान का समापन 24 जनवरी को यूपी स्थापना दिवस के दिन गौपूजा के साथ किया गया। भारत सरकार के उपक्रम हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रतिष्ठित हडको अवार्ड 2022-23 के लिए देश भर से इन्ट्री प्राप्त की गई थी। इसमें, प्रदेश के स्थानीय निकाय निदेशालय की ओर से भी इन्ट्री भेजी गई। कई चरणों के परीक्षण के बाद जूरी मंडल ने स्वच्छ विरासत अभियान को फील्ड विजिट के लिए चुना। हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय की एक टीम ने बीती 03 अप्रैल को लखनऊ के इमामबाड़ा, रेसीडेंसी समेत कई स्थलों का निरीक्षण भी किया। कई चरणों के परीक्षण के बाद ही हास्वच्छ विरासतह अभियान को प्रतिष्ठित हडको अवार्ड बेस्ट प्रैक्टिसेस टू इम्प्रूव द लिविंग एन्यवारमेंट में पुरस्कार के लिए चुना गया है।

गोला में नौका विहार के साथ अब सेल्फी प्वाइंट का भी लें आनंद

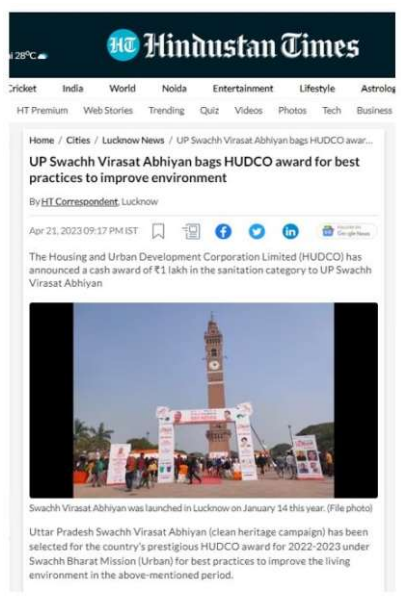

सरयू तट पर बसे उपनगर गोला के पक्का घाट पर नौका विहार पर 'आई लव हमारा गोला बाजार' सेल्फी प्वाइंट का आनंद लेते लोग।

ककरही (एसएनबी)। बड़े शहरों की तर्ज पर अब सरयू तट पर बसे उपनगर गोला के पक्का घाट पर नौका विहार के साथ अब आई लव हमारा गोला बाजार सेल्फी प्वाइंट का भी आनंद ले सकेंगे।

नगरवासी छोटी अयोध्या के नाम से प्रसिद्ध गोला के पक्का घाट को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग कर रहे हैं। लगभग दो माह से पक्का घाट पर मां सरयू में नौका विहार शुरू होने के बाद अब नगर व क्षेत्रवासी अपने मोबाइल से सेल्फी प्वाइंट पर सेल्फी लेने का भी आनंद ले सकेंगे। गोरखपुर के रामगढ ताल की तरह गोला में नौकायन शुरू होने के बाद पक्का घाट नगवासियों के लिए आकर्षण का केन्द्र बन गया है। अब सेल्फी प्वाइंट को लेकर युवाओं में भी काफी उत्साह है। धार्मिक स्थल के बावजूद जिस पक्के घाट के आस पास कूडे करकट का अंबार लगा रहता था वहां अब नगर पंचायत व जन सहयोग से घाट की सफाई, नौकायन, सेल्फी प्वाइंट आदि व्यवस्थाओं के साथ पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने के लिए ऐतिहासिक रसिक विहारी मंदिर का जीर्णोद्धार, लाईट, मां सरयू की प्रतिदिन आरती, आस-पास पार्क विकसित करने तथा नदी के घाटों को हैरिटेज लुक देने के लिए पत्थर से घाट व रेलिंग लगवाने के साथ आस-पास के क्षेत्र में हरियाली विकसित करवाने के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण जैसे तमाम विकास कार्य किये जाने हैं ताकी आने वाले दिनो में गोला का पक्का घाट पर्यटक स्थल का सपना सच हो और क्षेत्रवासी उसका सौंदर्य देखने के लिए पहुंचे।

Hindustan Times

Cricket India World Noida Entertainment Lifestyle Astrolog
HT Premium Web Stories Trending Quiz Videos Photos Tech Business

Home / Cities / Lucknow News / UP Swachh Virasat Abhiyan bags HUDCO awar...

UP Swachh Virasat Abhiyan bags HUDCO award for best practices to improve environment

By HT Correspondent, Lucknow

Apr 21, 2023 09:17 PM IST

The Housing and Urban Development Corporation Limited (HUDCO) has announced a cash award of ₹1 lakh in the sanitation category to UP Swachh Virasat Abhiyan

Swachh Virasat Abhiyan was launched in Lucknow on January 14 this year. (File photo)

Uttar Pradesh Swachh Virasat Abhiyan (clean heritage campaign) has been selected for the country's prestigious HUDCO award for 2022-2023 under Swachh Bharat Mission (Urban) for best practices to improve the living environment in the above-mentioned period.

रैली निकाल की साफ-सफाई

संगम तट किनारे साफ-सफाई करते सदस्य.

prayagraj@inext.co.in
PRAYAGRAJ (23 April):

स्वच्छ विरासत अभियान को मिला हडको अवार्ड

- 14 से 24 जनवरी के बीच प्रदेश भर के 75 पर्यटक स्थलों और ऐतिहासिक स्मारकों पर चलाया गया था स्वच्छता अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) उत्तर प्रदेश के स्वच्छ विरासत अभियान को देश के प्रतिष्ठित हडको अवार्ड (2022-2023) के लिए चुना गया है। इस अभियान को बेस्ट प्रैक्टिसेस टू इम्प्रूव द लिविंग एन्यवारमेंट (2022-23) में पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री भारत सरकार हरदीप पुरी आगामी 25 अप्रैल को नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित हडको इण्डिया हैबिटेड सेंटर में आयोजित समारोह में यह पुरस्कार प्रदान करेंगे। नगर विकास मंत्री के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश के नगरों को गुड टू ग्रेट बनाते हुए वैश्विक नगर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में 14 जनवरी 2023 यानी मकर संक्रांति के दिन से पतंग महोत्सव के साथ स्वच्छ विरासत अभियान की शुरुआत की गई। इसमें प्रदेश के 75 पर्यटक स्थलों और ऐतिहासिक स्मारकों को शामिल किया गया। इस दौरान इन स्थलों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। नुक्कड़ नाटक, कठपुतली शो, साइट के अंदर प्लॉग रन जैसी गतिविधियों के माध्यम से घाट, तालाब, बाजार समेत अन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों की साफ सफाई में आम जनमानस को शामिल किया गया। 10 दिन के इस सफल अभियान का समापन 24 जनवरी को यूपी स्थापना दिवस के दिन गौपूजा के साथ किया गया। भारत सरकार के उपक्रम हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रतिष्ठित हडको अवार्ड 2022-23 के लिए देश भर से इन्ट्री प्राप्त की गई थी।

THE TIMES OF INDIA

...onal award for sanitation

TOI

LUCKNOW: Uttar Pradesh has been selected for the prestigious Swachh Bharat Mission (Urban) HUDCO Awards 2022-23 for its Swachh Virasat Abhiyan.

The state will be awarded for Best Practices to Improve the Living Environment and get Rs 1 lakh from union minister for housing and urban Affairs Hardeep Puri in New Delhi on April 25.

A government spokesperson said the state's urban development department had started the campaign to make urban areas 'good to great' on January 14 (Makar Sankranti). Under it, 75 tourist and historic areas were selected, and special campaigns were carried out including nukkad natak, puppet shows etc.

"The campaign saw participation of common people with the cleaning of ghats, ponds, markets etc. The campaign went on for 10 days. It won among several entries and a field visit was carried out by HUDCO officials to determine the success of the campaign," said the spokesperson.

प्रदेश के 11 नगर निगमों के हर वार्ड में बनाए जाएंगे 'ट्रिपल आर' सेंटर

घरों में बेकार पड़े कपड़े, खिलौने और किताबें जरूरतमंदों में बांटेगी सरकार

अभियान

नेहा शर्मा

- 20 मई से 5 जून तक चलेगा विशेष अभियान
- कोई भी निष्प्रयोज्य वस्तुएं उपलब्ध करा सकता है

लखनऊ, विशेष संवाददाता। राज्य सरकार घरों से बेकार पड़े कपड़े, किताबें, खिलौने, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक उपकरण, मशीनरी एकत्रित कर जरूरतमंदों को मुफ्त में बांटेगी। इसके लिए कपड़ा बैंक, किताब बैंक, बर्तन बैंक और खिलौना बैंक सेंटर खोले जाएंगे। इसके लिए 20 मई से 5 जून विशेष अभियान चलाया जाएगा।

राज्य मिशन निदेशक स्वच्छ भारत मिशन नेहा शर्मा मंगलवार को बताया कि 11 नगर निगमों लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, मेरठ, आगरा, गाजियाबाद, प्रयागराज, अलीगढ़, बरेली, मुरादाबाद व सहारनपुर में 'ना थ्रो- ना थ्रो' 'ट्रिपल आर' सेंटर स्थापित किए जाएंगे। इसके माध्यम से इन सामानों को एकत्र कर लोगों में बांटा जाएगा। इसे नगर निगम वॉलंटियर्स के माध्यम से चलाएंगे और स्वयंसेवी संस्थाओं, स्वयं सहायता समूहों समेत अन्य संगठनों का सहयोग लिया जाएगा। कोई भी व्यक्ति स्वयं निष्प्रयोज्य वस्तुओं को उपलब्ध करा सकता है। घरों ऐसी वस्तुओं को लेने की व्यवस्था होगी। लोगों को जागरूक करने के लिए इन शहरों में 'ना थ्रो-ना थ्रो' रथ निकाले जाएंगे।

उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) में 'मेरी लाइफ, मेरा स्वच्छ शहर' अभियान के तहत रिड्यूस, रियूज एंड रीसाइकिल के सिद्धांत पर आधारित इस ट्रिपल आर सेंटर की स्थापना की जाएगी। स्वच्छ कनेक्ट के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह, जन प्रतिनिधि, व्यापारी वर्ग, छात्र, नौकरी पेशा समेत समाज के अन्य वर्गों को जोड़ा जाएगा। राज्य मिशन निदेशक ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग से इसकी समीक्षा भी की।

कानपुर में फूल व प्रयागराज में थैला बैंक

कानपुर में फूल बैंक बनाया जाएगा। इसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों, घरों और मंदिरों से निकलने वाले फूल एकत्र कर उनसे अगरबत्ती और दूसरी सामग्री तैयार कराई जाएगी। वाराणसी में वेस्ट से अगरबत्ती व हवन सामग्री, प्रयागराज में थैला बैंक, अलीगढ़ ताला इंडस्ट्री से निकलने वाले स्क्रैप को नया आकार देकर उत्पाद तैयार करने का भी फैसला किया गया है। मुरादाबाद में आईआईआई मोबाइल वैन की व्यवस्था की जा रही है।

लखनऊ में गोबर व गुठली बैंक

उन्होंने बताया कि ओडीओपी योजना में हर जिले में उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इनसे निकलने वाले अपशिष्ट को भी रिसाइकिल करके विशेष उत्पाद (वेस्ट टू वंडर) तैयार कराया जाएगा। लखनऊ में कान्हा उपवन में गोबर बैंक की शुरुआत होगी। इससे इकोफ्रेंडली उत्पाद तैयार किए जाएंगे। गुठली बैंक बनाते हुए आम जैसे फलों की गुठली एकत्र की जाएगी।